पृष्ठ : 04
स्थापित : 2008
संस्थापक: स्व. बी. शंकर
13 जून 2025, शुक्रवार
संपादक: गंगा असनोड़ा: 9412079290

सरोकारों से साक्षात्कार

रीजनल रिपोर्टर

श्रीनगर (गढ़वाल), उत्तराखण्ड से प्रकाशित, साप्ताहिक आर.एन.आई.नं: UTTHIN/2008/24749, वर्ष: 16, अंक: 48, मूल्य: 10

अहमदाबाद प्लेन क्रेश भयावह हादसा

स्टेट ब्यूरो

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा हुआ। एयर इंडिया की एक पैसेंजर फ्लाइट उड़ान भरते समय क्रैश हो गई। लंदन जा रहा विमान मेघानी इलाके में बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की मैस से टकरा गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

विमान ने 1 बजकर 38 मिनट पर अहमदाबाद के सरदार पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी और 1 बजकर 40 मिनट पर विमान क्रैश हो गया। यह विमान एयरपोर्ट की बाउंड्री भी पार नहीं कर पाया और ऊपर जाते-जाते अचानक नीचे बैठता सा दिखा और फिर मौके से धुएं का गुबार उठा। वहीं जहाज डॉक्टरों की हॉस्टल मैस पर गिरा, जिससे कई डॉक्टरों के हताहत हुए हैं। विमान 11 साल पुराना था। इसमें 242 लोग सवार थे। इनमें 230 पैसेंजर्स और 12 क्रू मेंबर थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि क्रैश के तुरंत बाद आसमान में धुएं का विशाल गुबार देखा गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां और पुलिस बल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

विमान में सवार 241 लोगों की मृत्यु हुई है इसमें केवल एक व्यक्ति ही बच पाया था। मेडिकल कॉलेज के पांच छात्रों समेत 29 लोगों की भी मौत हुई है। इस प्रकार दुर्घटना में कुल 274 लोगों की मृत्यु का आंकड़ा सामने आया है। ■■■

सरकार की कार्रवाई: हाई लेवल कमेटी का गठन

भारत सरकार ने गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इसम डीजीसीए, एयर इंडिया, वायुसेना और एविएशन विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। यह कमेटी निम्न बिंदुओं पर रिपोर्ट देगी:

- कॉकपिट वॉस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) का विश्लेषण
- पायलटों की फ्लाइट हिस्ट्री और निर्णय प्रक्रिया
- विमान की टेक्निकल मेंटेनेंस हिस्ट्री
- एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) संवादों की समीक्षा

कमेटी को तीन महीने में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही सभी बोइंग 787 विमानों की अतिरिक्त जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं।

हॉस्टल की छत पर मिला ब्लैक बॉक्स

रिर्पोट्स के अनुसार, ब्लैक बॉक्स बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल मेस बिल्डिंग की छत से बरामद किया गया है। अहमदाबाद फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि मेघानीनगर में ब्लैक बॉक्स खोजने के लिए मेटल कटर जैसे इक्विपमेंट्स के साथ एक टीम तैनात की गई थी। टीम ने शुक्रवार को इसे खोज निकाला।

इसके अलावा पुलिस टीम ने बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर को भी अपने कब्जे में लिया है।

हर प्लेन में नारंगी रंग का एक 'ब्लैक बॉक्स' होता है, जो कि इस तरीके से डिजाइन किया जाता है कि आग में वह जलता नहीं है और पानी में गलता नहीं है। हादसे के बाद जांच टीम का पहला काम प्लेन का 'ब्लैक बॉक्स' हासिल करना होता है।

ब्लैक बॉक्स में एफडीआर (फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर) और सीवीआर (कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर) होता है। इसमें एफडीआर विमान से जुड़े सभी तकनीकी डेटा को रिकश्वर्ड करता है, जबकि सीवीआर दो पायलटों के बीच आखिरी मिनट तक कश्वकपिट में हुई बातचीत को दर्ज करता है।

ज्यादातर विमान हादसों में प्लेन का अगला हिस्सा प्रभावित होता है, इसलिए ब्लैक बॉक्स प्लेन के पूंछ वाले हिस्से में रखा होता है। ■■■

जनगणना के बाद परिसीमन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटे होंगी रिजर्व

स्टेट ब्यूरो

एक मार्च 2027 को जनगणना पूरी होने के बाद लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों का परिसीमन किया जाएगा। इस परिसीमन में न केवल लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें बढ़ेंगी, बल्कि महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों का आरक्षण भी लागू किया जाएगा। इस संबंध में संसद पहले ही महिला आरक्षण विधेयक 2023 को पारित कर चुकी है।

2002 में 84वें संविधान संशोधन के तहत 2026 तक लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों को बढ़ाने पर रोक लगा दी गई थी। इस संशोधन में उसके बाद पहली बार होने वाली जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन करने का प्रविधान किया गया था। अब चूंकि जनगणना फरवरी 2027 में होने जा रही है, इसलिए इसके आंकड़ों के आधार पर परिसीमन का मार्ग प्रशस्त होगा। लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों की संख्या कितनी बढ़ेगी, यह परिसीमन आयोग तय करेगा, लेकिन यह माना जा रहा है कि लोकसभा की सीटें 800 से अधिक हो सकती हैं, जो वर्तमान में 543 हैं।

पिछला परिसीमन 2008 में संप्रग सरकार के दौरान हुआ था। इसे 2002 में संसद से पारित परिसीमन कानून के अनुसार किया गया था, जिसमें 2001 की जनगणना के आधार पर राज्यों के भीतर मौजूदा लोकसभा और विधानसभा सीटों के क्षेत्रों में बदलाव किया गया था। इससे पहले, 1951 से 1971 तक जनगणना के बाद परिसीमन आयोग का गठन होता रहा और लोकसभा तथा विधानसभाओं की सीटें बढ़ती रहीं। हालांकि, 1976 में 2001 तक परिसीमन पर रोक लगा दी गई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होने के कारण क्षेत्रवार आबादी के आंकड़े एक से डेढ़ महीने के भीतर जारी किए जा सकते हैं, जबकि पहले यह प्रक्रिया दो साल तक चलती थी। ■■■

भारत बना सामाजिक सुरक्षा देने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश

विशेष संवाददाता

सबसे ज्यादा लोगों को सामाजिक सुरक्षा देने के मामले में भारत ने पिछले एक दशक में जबर्दस्त कामयाबी हासिल करते हुए विश्वभर में दूसरा पायदान हासिल किया है। वर्तमान में 94 करोड़ लोग अब सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ गए हैं यानी देश की कुल 64.3 प्रतिशत आबादी कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ अवश्य ले रही है। भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में महज 19 प्रतिशत था जो 2025 में बढ़कर 64.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो इसमें 45 प्रतिशत का ऐतिहासिक उछाल आया है। यह सब संभव हो सका है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों और श्रमिक वर्ग के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की वजह से।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के डैशबोर्ड पर भारत अब सामाजिक सुरक्षा में वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। उसके अनुसार, भारत मैं सामाजिक सुरक्षा दायरे में आने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। आइएलओ के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ हुंगबो ने पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीबों और मजदूर वर्ग के लिए भारत की जन केंद्रित कल्याणकारी नीतियों की प्रशंसा की है।

आइएलओ के अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 113वें सत्र में भाग लेने के लिए जिनेवा गए श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा- श्यह दुनियाभर में सामाजिक सुरक्षा दायरे में सबसे तेज विस्तार है। यह अंत्योदय यानी अंतिम छोड़ पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने और किसी को भी पीछे न छोड़ने के वादे को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आइएलओ महानिदेशक हुंगबो के साथ द्विपक्षीय चर्चा में उन्होंने मोदी सरकार द्वारा पिछले 11 वर्षों में गरीबों और श्रमिकों के लिए लागू कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक सुरक्षा डाटा पूलिंग अभ्यास के बारे में भी जानकारी दी, जिसे सरकार ने आइएलओ के सहयोग से किया है। ■■■

रूद्रप्रयाग में बीच हाईवे में हेलीकॉप्टर की इमरजैंसी लैंडिंग

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

शनिवार, 07 जुलाई को रुद्रप्रयाग जिले के बड़ासू क्षेत्र में एक बड़ा हादसा समय रहते टल गया। केदारनाथ धाम जा रहे क्रिस्टल एविएशन कंपनी का एक हेलीकॉप्टर अचानक तकनीकी कारणों से राष्ट्रीय राजमार्ग पर इमरजैंसी लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान हेलीकॉप्टर में मौजूद सभी यात्री और चालक सुरक्षित हैं। साथ ही नीचे सड़क पर चल रहे वाहन और राहगीर भी बाल-बाल बच गए।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हेलीकॉप्टर काफी देर से हवा में चक्कर काट रहा था और अचानक वह सीधे हाईवे की ओर नीचे उतरने लगा। यह नजारा देखने के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ लग गई। कुछ लोग डर से इधर-उधर भागने लगे, लेकिन पायलट की सूझबूझ से हेलीकॉप्टर को बिना किसी क्षति के सुरक्षित उतार लिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुँची और हालात का जायजा लिया। हेलीकॉप्टर के उतरने के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, लेकिन बाद में ट्रैफिक को नियंत्रित कर दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। क्रिस्टल एविएशन की तकनीकी टीम हेलीकॉप्टर की जांच में जुटी है।

इस अप्रत्याशित घटना के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने राहत की सांस ली। लोगों का कहना है कि अगर हेलीकॉप्टर कुछ और मीटर इधर-उधर होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। ■■■

SUBSCRIBE

संपादकीय

चूक ने फिर लीला मानव संसाधन

अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 टेक ऑफ होने के चंद सेकंडों में ही धराशायी हो गई। विमान में यात्रियों और चालक दल को मिलाकर कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें से केवल एक ही यात्री बच सका। विमान के रिहायशी इलाके में गिरने के कारण कई और लोग उसकी चपेट में आ गए। हाल के समय में यह सबसे खतरनाक विमान हादसा है। चूंकि मरने वालों में भारत के अलावा, ब्रिटिश, पुर्तगाली और कनाडाई नागरिक भी शामिल हैं, इसलिए जांच-पड़ताल का दायरा व्यापक होने वाला है। यूनाइटेड किंगडम सिविल एविएशन अथॉरिटी, फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन, यूरोपियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी, ट्रांसपोर्ट कनाडा और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड यानी एनटीएसबी जैसी एजेंसियां इस हादसे की जांच में सक्रिय दिखेंगी। विमान निर्माता बोइंग, डीजीसीए और एविएशन इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की भी इसमें भूमिका रहेगी। चूंकि यह बोइंग के विमान 787-8 ड्रीमलाइनर श्रृंखला का पहला ऐसा विमान है, जो हवा में हादसे का शिकार हुआ, इसलिए उसकी जांच के निष्कर्ष पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

सरकारी स्वामित्व से अब टाटा समूह के नियंत्रण में आने के बाद एअर इंडिया के किसी विमान के साथ पहली बार ऐसा हादसा हुआ है। लगातार घाटा उठाने, सेवा, गुणवत्ता एवं मानकों के साथ समझौते और कर्मचारी संघों के खराब रवैये के चलते लोग सरकार से निरंतर सवाल करते आ रहे थे कि वह इसे क्यों ढो रही है। इस सबके बावजूद तथ्य यह है कि सरकारी स्वामित्व के दौरान एअर इंडिया किसी हादसे का शिकार नहीं हुई, सिवाय तबके, जब जून 1985 में उसका विमान-कनिष्क वैश्विक आतंकवाद का शिकार बना था। कनाडा से भारत आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट 182 को खालिस्तानी आतंकियों ने बम विस्फोट करके आसमान में ही उड़ा दिया था। विमान में विस्फोट के कारण उसमें सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। विमान का मलबा आयरलैंड के समीप अटलांटिक महासागर में गिरा था।

उम्मीद यह थी कि निजी स्वामित्व में एअर इंडिया का प्रदर्शन और सुधरेगा, लेकिन हकीकत यह है कि निजी कंपनी बनने के बाद सुरक्षा मानकों के उल्लंघन में एअर इंडिया सबसे ऊपर रही है और उसे डीजीसीए द्वारा लगाया गया वित्तीय हर्जाना भरना पड़ा। यह स्थिति प्रशिक्षण की गुणवत्ता में कमी, चालक दल की दक्षता में अभाव, रख-रखाव से जुड़ी लापरवाहियों और लचर गुणवत्ता नियंत्रण के कारण निर्मित हुई। एअर इंडिया के बेड़े में 95 प्रतिशत विमान औसतन 18 से 20 साल पुराने हैं तो देर-सबेर विश्वसनीयता और गुणवत्ता के मोर्चे पर गिरावट के संकेत मिलने ही थे। अहमदाबाद में हमें यही देखने को मिला।

सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस विमान हादसे की गंभीरता को कम किया जा सकता था? लगता है, कि विमान को इंजन से पर्याप्त पावर नहीं मिल पाई, जिससे वह पूरी उड़ान नहीं भर पाया या उड़ान जारी नहीं रख सका। यही पहलू बहुराष्ट्रीय जांचकर्ताओं के लिए मूल मुद्दा होना चाहिए, क्योंकि इंजन मेंटेनेंस, डिजिटल इंजन कंट्रोल सिस्टम से लेकर 600 फीट पर एकाएक पावर सप्लाई खत्म होने की जांच की जाएगी। ■■■

यात्रा वृत्तांत

दुनिया का सबसे ऊंचाई पर स्थित मंदिर है तुंगनाथ

उमा घिल्डियाल

प्रातः काल उठे , तो हुड्डु गांव का नजारा ही कुछ और था। सामने सांवली आभा लिये हरियाला पहाड़ खड़ा था। टाइनी होम के नीचे स्थित खेतों में किसान दंदाला लगा रहे थे। होम के लड़कों ने उसी समय गरम गरम चाय का प्याला हाथ में थमाया तो यकीन मानिए इतनी खुशी हुई कि वर्णन नहीं हो सकता। हल्की ठंड, गरम चाय और पर्वतों की सुनहरी सुबह। चाय समाप्त की ही थी कि बेटी प्रतिभा ने आवाज लगाई, "माँ! तैयार हो जाइए, हमें जल्दी निकलना है" नाश्ता करके हम चोपता की ओर चले। दुगलबिट्टा से हम चोपता की ओर चलें। चारों ओर हरियाले जंगल दिखाई देने लगे। जंगल सुरक्षित वन है। ये वन वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के नाम से जाना जाता है। बिजली के खंभे भी नहीं है, सौर ऊर्जा का प्रयोग यहां किया जाता है। पर्यावरण नियमों का पालन करते हुए आप टैंन्टों में निवास कर सकते हैं। इनका किराया बहुत अधिक नहीं है सभी सुविधाएं आपको यहां मिल जाएंगे।

हमारा लक्ष्य तुंगनाथ था। मार्ग में हमने टेंट की व्यवस्था की, सामान रखा और सामान की देखरेख से मुक्त हो, तुंगनाथ की ओर बढ़ चले। चोपता तुंगनाथ जाने के लिए सर्व सुविधा संपन्न शिविर स्थान है, जहां होटल, दुकानें, रिजार्ट, सहारे के लिये लाठियाँ, घोड़ों की उपलब्धता, चढ़ाई चढ़ने के लिए लाठियां, खाने के लिए विभिन्न वस्तुएं सब कुछ मिल सकता है। यहां विभिन्न प्रकार के पशु पक्षियों का पार्क भी है जो अत्यंत दर्शनीय है।

यहां से तुंगनाथ 4 किमी. की दूरी पर स्थित है। सीधी खड़ी चढ़ाई है। सभी को चढ़ते देख चढ़ाई का एहसास भी नहीं होता है। एक ही नियम है नीचे मार्ग पर नजर रखे हुए धीरे-धीरे चढ़िये। अधिक मत बोलिए और नाक से ही सांस लेते रहिये। पता भी नहीं चलेगा कि कब चढ़ाई चढ़ गये। प्रारंभिक उत्साह देखने लायक था। सबसे पहला पग नाती राजवर्द्धन ने रखा और निरंतर आगे बढ़ता चला गया। बाद में उसने बताया कि वह एक घंटा 20 मिनट में चढ़ाई चढ़कर मंदिर पहुंच गया था। हमारे दामाद अशोक मैंदोला, ड्राइवर पवन और पतिदेव उसके पीछे चले। प्रतिभा और संस्कृति उनका अनुगमन कर रहे थे तथा उनके पीछे दोनों छोटी नातिनें सुदीक्षा और सुमेधा तथा सबसे पीछे मैं।

चढ़ाई शुरू हो चुकी है। तेज चलने वाला डेढ़ घंटे में, मध्यम 2 घंटे में एवं धीमी गति वाला लगभग 3 घंटे में ऊपर चढ़ जाता है। घबराइए नहीं ,यह सिर्फ अनुमान है। आप जल्दी भी मार्ग तय कर सकते हैं। मार्ग में सुंदर नजारे आपको थकने नहीं देंगे।

लीजिए, जब तक हम चढ़ाई चढ़ते हैं तब तक आप बोर हो जाएंगे। इसलिए कहानी सुनाते हैं तुंगनाथ की।

शिव उत्तराखंड के प्राचीन देव हैं। इन्हें देवाधिदेव भी कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त विष को ग्रहण करने के कारण इन्हें यह उपाधि दी गई। उत्तराखंड का प्राचीन नाम केदारखंड भी है। केदार दलदली भूमि को कहते हैं। उत्तराखंड की भूमि दलदली है।

शिव का अपना निवास स्थान कैलाश है। उत्तराखंड पार्वती का मायका है। इस नाते उत्तराखंड शिव का ससुराल है। पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। मंदाकिनी घाटी में ही अधिकांश शिव मंदिर पाए जाते हैं। पंच केदारों की अवस्थिति इसी घाटी में है। प्रतीत होता है कि विवाहोपरांत यह इलाका अपनी पुत्री पार्वती को उपहार में दिया होगा। ताकि पार्वती कभी-कभी उनके निकट रह सके।

महाभारत के युद्धोपरान्त पांडव शिव दर्शन के लिए उत्तराखंड की ओर चले।शिव उन्हें दर्शन नहीं देना चाहते थे। वे उन्हें गोत्र हत्या अर्थात बन्धु बान्धवों की हत्या का दोषी मानते थे इसलिए उन्होंने गुप्तकाशी में ही अपने को गुप्त कर लिया। पांडवों को केदार की ओर आगे बढ़े। केदार में पशुओं के मध्य उन्होंने एक विशालकाय वृषभ को देखा जिसका शरीर अलग ही चमक रहा था। पांडवों को देखते ही बैल बने शिव धरती में धंसने लगे। बलशाली भीम ने देखा तो बैल को कमर से पकड़ लिया। शिव बहुत अधिक धरती में धँस चुके थे। उनका वही हिस्सा ऊपर रह गया जो भीम ने पकड़ रखा था। उनका मुख रुद्रनाथ में, केश कल्पेश्वर में, बाहू तुंगनाथ में और हृदय तथा नाभी मद्महेश्वर में अवस्थित हुए। पीठ का हिस्सा केदारनाथ में है। ये सभी मंदिर पंच केदार कहलाते हैं। इन्हीं से एक तुंगनाथ की चढ़ाई हम इस समय चढ़ रहे थे।

कहानी खत्म हुई और हम पहुंच गए हैं दुनिया के सबसे ऊंचे मंदिर। लगभग 4000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित तुंगनाथ ।

प्रतीत होता है जैसे आसमान नीचे आ गया है।सरसराती हवा , वर्षा मी होती तो बादल भी आपके साथ साथ चलते चलते। 5 से 6 फीट के लंबे हम सबऔर इतनी ऊंचाई पर। ***क्रमश...***

■■■

मेल-मुलाकात

एक प्रगतिशील महिला देवकी तिवारी

चारू तिवारी

आजकल हल्द्वानी में हूं। कुछ दिन यहीं रहूंगा। पुराने-नए साथियों से मिलूंगा। हर यात्रा में नया सीखने को मिलता है। कल पहले दिन की उपलब्धि यह रही कि हमारी मुलाकात कुमाऊंनी और हिंदी की प्रतिष्ठित साहित्यकार देवकी मेहरा से हुई। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई जब हम उन्हें 29 जून, 2025 को हल्द्वानी में सम्मानित कर रहे हैं। 'दुदबोलि' अपने संस्थापक-संपादक मथुरादत्त मठपाल की जयंती पर हर वर्ष किसी साहित्यकार को 'मथुरादत्त मठपाल स्मृति साहित्य सम्मान' देती है। इस वर्ष का सम्मान देवकी महरा को दिया जाएगा। 'क्रिएटिव उत्तराखंड' के तत्वावधान में हर महीने होने वाले एक साहित्यकार पर केंद्रित कार्यक्रम की इस बार की मेहमान देवकी महरा ही थी। इसलिए अब यह आयोजन 'दुदबोलि' और 'क्रिएटिव उत्तराखंड' संयुक्त रूप से करेंगे। इस सिलसिले में नवेंदु मठपाल, दयाल पांडे और नरेंद्र बंगारी के साथ उनके घर गये थे।

देवकी महरा ने साठ के दशक से अपनी रचना यात्रा शुरू की। उनका जन्म 1937 का है। इस समय वह 87 साल की हैं। मूल रूप से अल्मोड़ा के सालम क्षेत्र में जन्मी देवकी तिवारी ने उस जमाने में अन्तरजातीय विवाह कर अपनी प्रगतिशीलता का परिचय दिया। वह लंबे समय तक शिक्षा विभाग में रहने के बाद 1995 में सेवानिवृत्त हुई।

उनकी कविताओं में हमेशा प्रगतिशील विचारों का समावेश रहा। उन्होंने सामाजिक विसंगतियों के खिलाफ बहुत लिखा। उनकी प्रमुख रचनाओं में 'प्रेमांजलि', 'स्वाति', 'नवजागृति' (काव्य संग्रह), 'सपनों की राधा', 'आखिरी पड़ाव' (उपन्यास), 'निशास', 'यादों की बर्यात', 'पराण-पुतुर' (कुमाऊंनी काव्य संग्रह) प्रकाशित हुए हैं। 'प्रीत के गीत', 'पछ्याण', 'किरमोई तराण' जैसे संयुक्त काव्य संग्रहों में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। 'पछतावा' उनकी एक और कृति है। उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। उनकी कविता एक कविता-

उत्तराखण्ड में छन,
तैंतीस करोड़ द्याप्त।
यों मैसन कैं नि थामन,
मैसनल थामि राखीं द्याप्त।

क्वे डंगरी बंण गयीं,
क्वे जगरी बण गयीं।
मनकसि नि भई जब,
दौंकार वै ऐजानी द्याप्त।
जागर लागी जब,
डंगरिया कान में फैजानी द्याप्त।
जगरी कैं टांक पैरै,
चांण बाणन कैं मुर्ग खवै,
कैलास हूं न्है जानी द्याप्त।
आब-
जागर लगाला जब,
डंगरिया कान में कै दिया
देवकि कौंणैछी कै दिया।
जो तुमरि-
पुज लग नि करन-
ऊं पुजि गयीं चन्द्रलोक,
हम्म-
जत्ती छियां उत्ती रयां।
पुस्त बित गयीं,
तुमर रास लगौंण में।
नान तिनां कैं डंगरी बणौण में
जगरी बणौंण में।
फाटियै रै गयीं आङक टाल,
नानतिन है गयीं ट्वाय
पहाड़ा मैंस पगली गयीं। बीमार भया-
तुमरै कान पकड़नी-
कैंसर लै भय,
तुमरी चुकटि रगड़नी।
पड़ी-लेखी-
लगौनी तलि हैं दौड़।
द्याप्तो तुमन हूं हात जोड़ि बेर
विनती छू-
तुम यां मैसन कैं
के लग नि देला,
सद्बुद्धि जरूर दिया। ■■■

आपकी प्रतिक्रिया का हमें इंतजार है।
अपनी प्रतिक्रिया इस पते पर भेजें।
9412079290, 7037548484
regionalreporter81@gmail.com

श्री कम्यूनिकेशन के लिए गंगा असनोड़ा थपलियाल द्वारा 15 फालतू लाईन, समय साक्ष्य देहरादून से मुद्रित एवं 76, अपर बाजार श्रीनगर से प्रकाशित।
न्यायिक क्षेत्र : श्रीनगर गढ़वाल
संस्थापक संपादक : स्व. बी. शंकर
सलाहकार: वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली
संपादक : गंगा असनोड़ा थपलियाल
विशेष प्रतिनिधि : उमा घिल्डियाल
स्टेट ब्यूरो : भारती जोशी
विशेष प्रतिनिधि (गैरसैण) :
भैरव दत्त असनोड़ा

कार्यालय : श्री कम्यूनिकोशन 76, अपर बाजार, श्रीनगर गढ़वाल-246174
आर.एन.आई.न.-
UPHIN/1999/863

कैंची धाम मेले के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान

स्टेट ब्यूरो

बाबा नीम करौली महाराज के पावन कैंचीधाम में हर वर्ष 15 जून को लगने वाला स्थापना दिवस मेला इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है।

श्रद्धालुओं और पर्यटकों की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने एक ठोस ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत 14 और 15 जून को बाहरी दोपहिया वाहनों के पर्वतीय मार्गों में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

एसपी यातायात एवं अपराध डॉ. जगदीश चंद्र के अनुसार 14-15 जून को बाहरी बाइकों को काठगोदाम और कालाढूंगी में ही रोक दिया जाएगा। इन स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी, और वहीं से शटल सेवाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को कैंचीधाम और नैनीताल भेजा जाएगा।

भारी यातायात को देखते हुए कैंचीधाम, भवाली चौराहा, नैनीबैंड रोड, सेनिटोरियम-रातीघाट, फरसौली, विकास भवन, खैरना मंडी, भवाली जल संस्थान कैंपस, प्लांटिस, भवाली डंपिंग जोन 15 पार्किंग जोन बनाए गए हैं।

श्रद्धालुओं को उनकी वापसी में भ्रम से बचाने के लिए इस बार शटल सेवाओं को चार रंगों में बांटा गया है जिसमें गुलाबी हल्द्वानी काठगोदाम से, हरा भीमताल से, पीला भवाली से तथा नीला नैनीताल को दिया गया है।

मंचन के अनुसार कुल 500 से अधिक वाहन शटल सेवा में लगाए जाएंगे। इनमें हल्द्वानी काठगोदाम से 100 बसें और 25 मैक्स, भीमताल से 40 बसें और 50 मैक्स, भवाली से 20 बसें और 80 मैक्स तथा नैनीताल से 10 बसें और 20 मैक्स शामिल हैं।

मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मोबाइल टॉयलेट, जल टैंकर, प्रकाश व्यवस्था और सफाई कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। एडीएम विवेक राय और आरटीओ अधिकारियों ने स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की।

जिला प्रशासन और पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित मार्ग और शटल सेवाओं का पालन करें ताकि ट्रैफिक बाधित न हो और किसी प्रकार की अव्यवस्था पैदा न हो। ■■■

क्रौंच पर्वत तीर्थ में 11 दिवसीय महायज्ञ और पुराणवाचन का आयोजन

स्टेट ब्यूरो

क्रौंच पर्वत तीर्थ, देवसेना पति भगवान कार्तिकेय की तपस्थली, इन दिनों एक विशाल धार्मिक अनुष्ठान का केंद्र बना हुआ है। विश्व कल्याण और क्षेत्रीय समृद्धि की कामना के साथ यहां 11 दिवसीय महायज्ञ और पुराणवाचन का आयोजन किया गया है। इस आयोजन ने तीर्थ क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से ओतप्रोत कर दिया है।

बीहड़ चट्टानों के बीच से निकलने वाली भव्य जल कलश यात्रा शनिवार को निकलेगी। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इस धार्मिक आयोजन में बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला, केदारनाथ विधानसभा के पूर्व विधायक मनोज रावत, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य सुमन नेगी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बीर सिंह बुडेरा, तथा उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के तत्वावधान में आए विभिन्न राज्यों के तीर्थयात्री शामिल थे।

भारत गौरव मानसखंड एक्सप्रेस से 71 सदस्यीय अंतिम तीर्थ यात्रियों के दल ने भी महायज्ञ में भाग लिया।

आचार्यों द्वारा हवन कुण्ड में विधिवत पूजा और आहुतियों के साथ क्षेत्र की समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की जा रही है। समापन रविवार को पूर्णाहुति के साथ होगा।

बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने क्रौंच पर्वत तीर्थ की धार्मिक और प्राकृतिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसे तीर्थाटन व पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कार्तिक स्वामी पर्यटन सर्किट में नागनाथ, बामनाथ, क्यूजा घाटी, तल्ला नागपुर और दशजयूला को जोड़ा जाए तो क्षेत्र का चहुंमुखी विकास संभव है।

पूर्व विधायक मनोज रावत ने कहा कि मोहनखाल- राकसी-तुंगनाथ पैदल ट्रैक को विकसित करने से क्षेत्र के अन्य पैदल मार्गों को भी पहचान मिलेगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। ■■■

चारधाम यात्रा से लौट रही बस में लगी आग, सभी तीर्थयात्री सुरक्षित

रीजनल रिपोर्टर ब्यूरो

चारधाम यात्रा से लौट रहे तीर्थयात्रियों की एक बस में उस समय अफरातफरी मच गई जब भद्रकाली के समीप बस के इंजन से अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग लग गई। गनीमत रही कि मौके पर मौजूद यातायात पुलिस की सतर्कता और चालक की सूझबूझ से बस में सवार सभी 42 यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार, बदरीनाथ से तीर्थयात्रियों को लेकर लौट रही एक निजी बस वाहन संख्या UK07PA 7650 जब भद्रकाली से ढालवाला की ओर मुड़ी, तो उसके बाएं तरफ इंजन के ऊपर से अचानक धुआं निकलता देखा गया। यह देख मुनिकीरेती क्षेत्र में तैनात यातायात पुलिस के जवानों ने तुरंत शोर मचाकर बस चालक को आग की सूचना दी।

चालक ने तत्परता दिखाते हुए बस को हर्बल गार्डन के पास सड़क किनारे रोक दिया। पुलिसकर्मियों और चालक-परिचालक की मदद से सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद बस में लगे अग्निशमन यंत्र से इंजन में लगी आग पर काबू पा लिया गया।

कुछ ही देर में भद्रकाली पुलिस चौकी से अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। सभी यात्रियों को एक अन्य वाहन के माध्यम से सुरक्षित रूप से ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप भेजा गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। ■■■

योग दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अभिषेक रावत

21 जून को मनाए जाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के मद्देनजर, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे की अध्यक्षता में विधानसभा भराड़ीसैण में जनपद चमोली के सभी अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर सचिव ने अधिकारियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 10 देशों के राजदूत प्रतिभाग करेंगे साथ ही सभी सरकारी कार्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति, आवश्यक सामग्री की उपलब्धता और प्रचार-प्रसार के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भराड़ीसैंण में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न देशों के राजदूतों के साथ आमजनमानस के द्वारा भी प्रतिभाग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर बैठक लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को 19 जून तक सारी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में डीएम संदीप तिवारी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उप जिलाधिकारी सोहन सिंह रांगण,पुलिस उपअधीक्षक अमित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। ■■■

रोड़ीपाली और गडार पापला पहुंचा वैन अस्पताल

जगदीश कलौनी

सीमांत मल्टी स्पेशलिटी मोबाइल हॉस्पिटल जैसे ही सुदूर ग्रामीण क्षेत्र रोडी पाली और गडार पापला पहुंचा लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में पहली बार एक्स रे, ईसीजी, समस्त प्रकार की जांचों की सुविधा और विशेषज्ञ चिकित्सकों से लैस सुविधा एक मोबाइल वैन में उपलब्ध कराई जा रही है। इस मोबाइल वैन का संचालन सीमांत सेवा फाउंडेशन के जरिए हो रहा है।

'हैल्थ ऑन व्हील्स' की इस परियोजना में अत्यंत मामूली धनराशि से जरूरतमंद मरीजों का पंजीकरण और उपचार किया जा रहा है।

डॉक्टर राज श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक्स रे तकनीशियन कमल राजन, लैब तकनीशियन आनन्द मल, उपचारिका सपना, राजेंद्र रावत आदि ने दोनों गांवों के करीब दो सौ लोगों को उपचार और स्वास्थ्य परामर्श दिया। ग्रामीणों ने इस दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में मोबाइल वैन सेवा के नियमितीकरण की मांग की है। ■■■

विश्व के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज का उद्घाटन

पीएम नरेंद्र मोदी ने 6 जून 2025 को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज

का उद्घाटन किया। यह पुल न केवल भारत की इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक है, बल्कि कश्मीर घाटी को पूरे वर्ष देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पुल को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह 266 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं और रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता वाले भूकंप को भी सहन कर सकता है।

इस पुल के माध्यम से कटरा से श्रीनगर तक की यात्रा का समय सड़क मार्ग के 6-7 घंटों से घटकर ट्रेन से मात्र 3 घंटे रह गया है। पुल के शुरू होने से कश्मीर घाटी में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिलेगा। साथ ही सरकार द्वारा इसे पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। ■■■

कार्लोस ने जीता फ्रेंच ऑपन 2025

8 जून 2025 को पेरिस के रोलां गैरो की ऐतिहासिक मिट्टी पर स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कारेज ने इटली के वर्ल्ड नंबर-1 यानिक सिनर को हराकर फ्रेंच ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया और पिछला खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड किया।

यह मुकाबला 5 घंटे 29 मिनट तक चला और इसे अब तक के सबसे रोमांचक फाइनल में से एक माना जा रहा है।

यह फाइनल मुकाबला अपने आप में टेनिस के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ गया है। अल्कारेज ने 4-6, 6-7(4), 6-4, 7-6(3), 7-6 (10-2) से जीत दर्ज की। इस मैच में तीन टाई-ब्रेक हुए, और अंतिम सेट का टाई-ब्रेक 10-पश्वइंट फश्वर्मेट में खेला गया जिसमें अल्कारेज ने जबरदस्त दबदबा दिखाया।

अल्कारेज ने मात्र 22 वर्ष की उम्र में हासिल की, जिससे वह इस सूची में सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही उन्होंने रॉड लेवर, अगासी, नडाल, फेडरर और जोकोविच जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। ■■■

Vikas Jain
9997328251

Sidharth Jain
7037833036

JAIN

Hardware and sanitary store

Upper Bazar, Srinagar Garhwal

श्री नारायण महिला पी.जी.

छात्राओं के लिए
सुरक्षित व सुविधानुकूल आवासीय व्यवस्था

आवासीय सुविधाएं:

1. पूरी तरह से सुसज्जित नए कमरे।
2. घर जैसी भोजन व्यवस्था
3. ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर व 2 चाय
4. सी.सी.टी.वी. सुरक्षा/ डायनिंग हॉल
5. आर.ओ. का शुद्ध पानी
6. संलग्न बाथरूम
8. 24 घण्टे गर्म पानी
9. व्यक्तिगत आलमारी
10. कक्ष कीपिंग

पता: 76 अपर बाजार, शंकर निवास, श्रीनगर गढ़वाल

Mob: 7455089290, 9412079290

100% SATISFACTION GUARANTEED

chaudharyautosg@gmail.com

Chaudhary Atuomobiles

Khilendra Singh

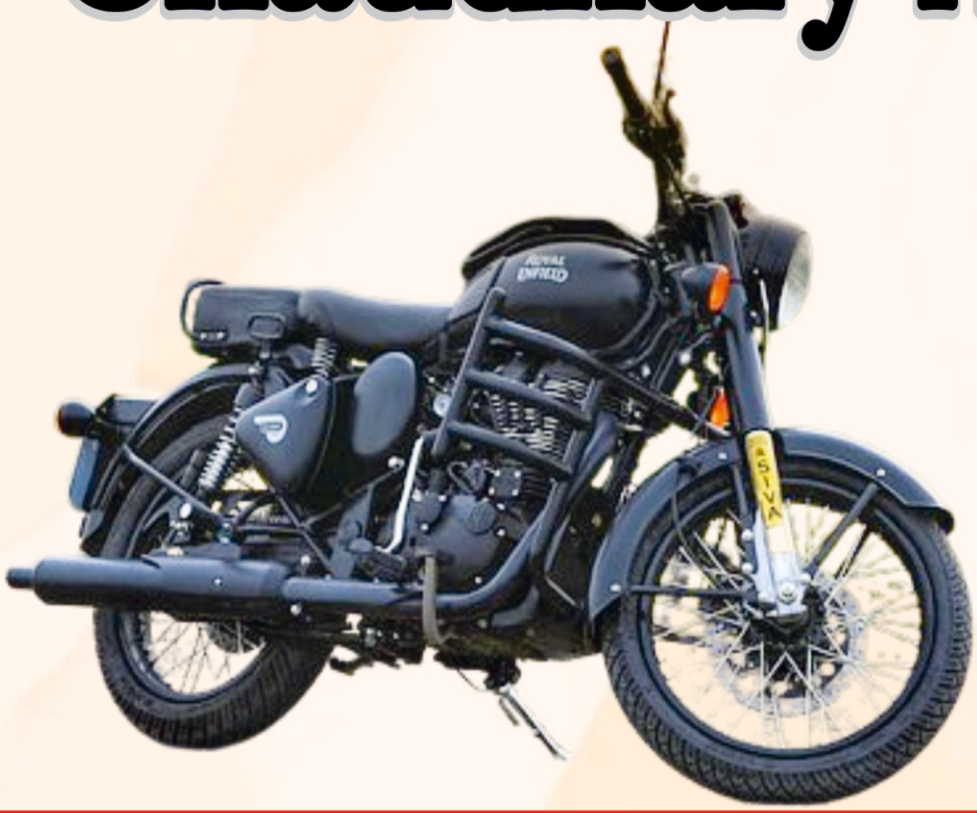

Chaudary Niwas
Ghasiya mahadev, Badrinath Road
Srinagar Garhwal- 246174

9758400555, 9411350555